Report on Training Programme on "Para Art"

Department of Rural Technology and Social Development and Skill Development Cell

Date of Event : 1st to 7th March 2022

Venue : Department of Rural Technology and Social Development

Details of Event Proceedings

Date (DD-MM-YYYY)	Details of the Session	Details of Resource Person	Number of Participants
01-03-2022 to 07-03-2022	Lecture on Related to Para Art	Mr. Chudamani Suryawanshi	28

A Brief Abstract of the Event (Maximum 500 Words):

8:45

पत्रिका सिटी & हाइपर
patrika.com CITY

न्यूज 2 मिनट में... सिटी ब्रीफ

केन्द्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थी सीख रहे हैं पैरा आर्ट

बिलासपुर @ पत्रिका. गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय के ग्रामीण प्रौद्योगिकी और सामाजिक विकास विभाग में विद्यार्थियों में कौशल विकास के लिए पैरा आर्ट में 7 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का 1 मार्च को कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल ने शुभारंभ किया। विद्यार्थियों में विभिन्न रोजागारोन्मुखी कौशल विकास के लिए स्थापित कौशल विकास प्रकोष्ठ के माध्यम से पहली बार अनुपयोगी धान का पुआल जिसे पैरा कहा जाता है के उपयोग से विभिन्न प्रकार की कलाकृतियों का निर्माण पर 7 दिवसीय कौशल प्रशिक्षण शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम में कुल 28 विद्यार्थियों द्वारा भाग लिया जा रहा है। इस कार्यक्रम के शुभारम्भ में प्रोफेसर बीएन तिवारी अधिष्ठाता, डॉ. रोहित राजा, नोडल अधिकारी, कौशल विकास प्रकोष्ठ, डॉ. पुष्पराज सिंह, विभागाध्यक्ष, डॉ. भास्कर चौरसिया उपस्थित थे। प्रोफेसर तिवारी ने विद्यार्थियों से कहा कि यह विधा नवीन, रोजगारपरक तथा उपयोगी है। ऐसे कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजन करने में ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग में अग्रणी रहा है।

फार्मा उद्योग में वर्तमान रुझान दायरा और चुनौतियां विषय पर सीयू

प्लेसमेंट कैम्प में 4 मार्च को 1036 पदों पर ली जाएगी भर्ती

देशबन्धु
Influencing Public Opinion Since 1959
03 Mar 2022 - Page 5

सार-संक्षेप

केन्द्रीय विवि के विद्यार्थी सीख रहें है ''पैरा आर्ट''

बिलासपुर, 2 मार्च (देशबन्धु)। गुरू घासीदास विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति महोदय के सक्षम नेतृत्व एवं कुशल मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास विभाग में विद्यार्थियों में कौशल विकास हेतु ''पैरा आर्ट'' में सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ 1 मार्च को किया गया। प्रो0 आलोक कुमार चक्रवाल, कुलपति के द्वारा विद्यार्थियों में विभिन्न रोजागारोन्मुखी कौशल विकास हेतु स्थापित कौशल विकास प्रकोष्ठ के माध्यम से प्रथम बार अनुपयोगी धान का पुआल जिसे पैरा कहा जाता है के उपयोग से विभिन्न प्रकार की कलाकृतियों का निर्माण पर 07 दिवसीय कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 28 विद्यार्थियों द्वारा भाग लिया जा रहा है। इस कार्यक्रम के शुभारम्भ में प्रो0 बी0एन0 तिवारी, अधिष्ठाता, डॉ0 रोहित राजा, नोडल अधिकारी, कौशल विकास प्रकोष्ठ, डॉ0 पुष्पराज सिंह, विभागाध्यक्ष, डॉ0 भास्कर चौरसिया उपस्थित थे। प्रो0 बी0एन0 तिवारी नें विद्यार्थियों से कहा कि यह विधा नवीन, रोजगारपरक तथा उपयोगी है। ऐसे कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजन करने में ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग में अग्रणी रहा है। कौशल विकास प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ0 दिलीप कुमार ने बताया कि यह प्रशिक्षण श्री चूड़ामणि सूर्यवंशी के द्वारा मुख्य प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित हैं। जो कि इनके द्वारा पैरा से बनाई गई कलाकृतियों को छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में आयोजित तथा चंडीगढ़, उड़ीसा, नागपुर, मुम्बई तथा इलाहाबाद के कुम्भ मेले में प्रदर्शित किया गया है। छात्र–छात्राओं द्वारा उपरोक्त कला को सीखने के प्रति अपनी अभिरूचि के साथ–साथ इसे रोजगार के अवसर के रूप में संभावनायें तलाशने की कोशिश भी की गई।

Para Art

Para Art

Para Art